[श्री अटल बिहारी वाजपेयी]

है, मगर खत्म कर दिया है तो ऐलान कर दीजिए। (व्यवधान) पहले तो कार्पोरेशन में जनसंघ का बहुमत था, और पहले कुछ हमारे मेम्बरो को खरीदकर हमारा बहुमत तोडने की कोशिश की फिर बाद मे केन्द्रीय सरकार ने चुने हुए कार्पोरेशन को खत्म कर दिया। (व्यवधान)। आपने ऐसा बाजार खोल रखा है जिसमे बिकाऊ माल की तादाद बढ़ गई।

मगर मेरा निवेदन यह है कि मन्त्री महोदय ने जो भी बयान रखा है, वह क्या है, यह तो वह बता दें। सभापति जी, उससे आप क्या समझे ? क्या कार्पोरेशन के मेयर के चुनाव के बारे मे ऐलान किया गया है या मई मे चुनाव नही होगे, इसके बारे मे ऐलान किया गया है ? कार्पोरेशन जिन्दा रहेगा, इसका ऐलान किया है या उसे मार डाला गया, इसका ऐलान किया है ?

श्री शशि भूषण (दक्षिण दिल्ली) ये जनसघी इन-कैंपेबल हैं, कार्पोरेशन को नही चला सकते हैं। कार्पोरेशन को करप्ट किया है। इसलिए उसको खत्म कर दिया है।

SHRI H. K. L BHAGAT (East Delhi). I am not happy at the supersession of the Corporation But it has cracked under the weight of the Jan Sangh's corruption, maladministration and misrule. They are cracking under their own sins. The Jan Sangh is responsible for the supersession of the Corporation. Shri Vajpayee knows it. Their party is responsible—their corruption, their maladministration and misrule. I am not happy with the supersession, but they are responsible for it.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अब कांग्रेस की मैजोरिटी है, आप कार्पोरेशन को चला कर देखिए।

श्री राम सहाय पांडे (राजनंदगांव) : जनसंघ के नेता की ओर से लांछन लगाया गया है कि बिक गये या पैसे से खरीदे गये। यह जनसघ का बडा अपमान है, इसको कैसे बर्दाश्त किया जा सकता है ? हम तो जनसघ के सम्बन्ध मे समझते थे कि और कुछ भी किया जा सकता है, लेकिन वे पैसे से नही खरीदे जा सकते। आप जनसघ के कार्यकर्ताओ पर कितना बडा लाछन लगा रहे है, यह शोभा नही देता।

MR CHAIRMAN. I will request the Minister to explain what this thing is about.

SHRI K. BRAHMANANDA REDDY The Notification is that the Delhi Municipal Corporation has been superseded for a period of one year

MR. CHAIRMAN Shri Raghu Ramaiah

---

18 15 hrs.

BUSINESS ADVISORY COMMITTEE

FIFTY-FOURTH REPORT

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI K RAGHU RAMAIAH) I present the Fifty-fourth Report of the Business Advisory Committee

---

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE (Gwalior): Out of 31 Corporations 22 have been superseded. This is the democracy that we are having in our country.

SHRI H K. L BHAGAT (East Delhi). In Delhi precisely his party is responsible for it

श्री शशि भूषण (दक्षिण दिल्ली) अध्यक्ष जी, जनसंघ ने सारे कार्पोरेशन को दीवालिया कर दिया है और अब कोई तरीका नही रहा। ये उसे लूट कर खा गये और अब सरकार पर उसे छोड़ दिया है।